वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत प्राथमिक लघु वनोपज संग्राहक समितियों द्वारा संग्रहित की जा रही वनोपज का जैविक प्रमाणीकरण हेतु बैठक आयोजन

NAFCC परियोजना ''Climate Adaptation in wetland along the Mahanadi River Catchment Area in Chhattisgarh'' अंतर्गत क्षेत्र के प्राथमिक लघु वनोपज संग्रहण समितियों का प्रमाणीकरण छत्तीसगढ़ प्रमाणीकरण समिति द्वारा कराया जाना है, ताकि समितियों द्वारा संग्रहित की जा रही वनोपजों का उचित मूल्य प्राप्त हो सके। इस कार्य हेतु प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा नोडल अधिकारी, राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 10–11 सितम्बर 2018 को श्री शिरीष सिंह, फील्ड इंस्पेक्टर, सीजीसर्ट, श्री राकेश कुमार श्रीवास, जे. आर. एफ., राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र एवं श्री पी. के. संघल, नेचरसोल हैल्थ केयर के साथ वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत परियोजना में सम्मिलित ग्राम का प्रवास, परियोजना क्षेत्र की लघु वनोपज संग्रहण समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बैठक आयोजन ग्रामवार किया गया।

दिनांक 10–11 सितम्बर 2018 को बलौदाबाजार के वन परिक्षेत्र अर्जुनी अंतर्गत परियोजना ग्राम महकोनी, दलदली एवं खोसड़ा ग्राम की जानकारी वनरक्षक श्री हरिराम साहू से प्राप्त की एवं वन परिक्षेत्र बिलाईगढ़ अंतर्गत वन समिति करियाटार एवं महुआडीह में बैठक ली गई, जिसका पंजीयन क्रमांक निम्नानुसार है :–

(1) महकोनी पंजीयन संख्या–302–12/1995

(2) दलदली पंजीयन संख्या–303–12/1995

(3) खोसड़ा पंजीयन संख्या–307–12/1995

महकोनी, दलदली एवं खोसड़ा ग्राम में वनोपज संग्राहक एवं वन प्रबंधन समिति की बैठक ली गई। उक्त बैठक में वनोपज संग्राहक द्वारा वर्तमान में वनोपज संग्रहण पद्धति एवं मुख्य वनोपज संग्रहण जैसे–महुआ, बहेड़ा, हर्रा, आंवला एवं अन्य वनोपज के संग्रहण एवं क्षेत्र में उपलब्धता की जानकारी ग्रामीणों से प्राप्त किए गए एवं हमारे द्वारा उन्हे प्रबंधित तरीकों से संग्रहण करने एवं भंडार करने की जानकारी को स्थानीय वनोपज संग्रहण करने वाले ग्रामीणों को एवं वन प्रबंधन समिति को बतलाया गया। करियाटार, लिमटरी, सिंघीटार एवं महुआडीह

क्षेत्र पथरीला स्थल होने के कारण इन परियोजना क्षेत्र में वनों की उपलब्धता कम एवं महत्वपूर्ण वनोपज जैसे हर्रा, आंवला, चार, बहेड़ा का उत्पादन अति निम्न है। यहां मुख्यतः तेंदूपत्ता संग्रहण हैं, वे भी बहुत कम संख्या में।

ग्राम–क्षेत्रवार प्रमुख वनोपज की जानकारी :–

अर्जुनी, दलदली एवं खोसड़ा (अर्जुनी परिक्षेत्र) :–

1. महुआ फूल एवं बीज, 2. हर्रा, 3. आंवला, 4. बहेड़ा, 5. इमली, 6. वन तुलसी, 7. मरोड़फल्ली, 8. बेल, 9. केतकंद, 10. नागरमोथा, 11. अर्जुन छाल, 12. चिरौंजी, 13. काली मूसली इत्यादि।

बिलाईगढ़ परिक्षेत्र ग्राम सिंघीटार, करियाटार, लिमटरी, महुआडीह :–

1. बहेड़ा, 2. हर्रा, 3. तेंदूपत्ता/ फल, 4. महुआफूल/फल, 5. भुई नीम, 6. चरोटा बीज, 7. वन तुलसी

–:0:–